डाक और तार विभाग की भूमि पर अतिक्रमण :

*339. चौधरी हरमोहन सिंह:
श्री आरिफ मोहम्मद :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गत कुछ वर्षों के दौरान डाक और तार विभाग की भूमि पर अतिक्रमण संबंधी कुछ मामलों की जानकारी मिली है ;

(ख) यदि हां, तो अब तक पता लगाए गए ऐसे मामलों की राज्य-वार संख्या कितनी-कितनी है ; और

(ग) ऐसे अतिक्रमणों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) डाक विभाग की भूमि का अतिक्रमण करने के कुछ मामले ध्यान में आए हैं। जहां तक दूरसंचार विभाग से संबंधित भूमि के अतिक्रमण का संबंध है, जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

(ख) और (ग) डाक विभाग से संबंधित मामलों के बारे में एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। दूरसंचार विभाग से संबंधित मामलों के बारे में जानकारी संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

डाक तार विभाग की भूमि पर गत वर्षों के दौरान हुए मामलों की राज्य वार संख्या तथा उसे रोकने के लिये उठाये गये कदमों का ब्यौरा

क्र० सं०	राज्य का नाम	31-03-1994 तक पता लगाए गए अतिक्रमण के मामलों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	3
2.	अरुणाचल प्रदेश	—
3.	असम	8
4.	बिहार	—
5.	दिल्ली	5
6.	गोवा	—
7.	गुजरात	9
8.	हरियाणा	—
9.	हिमाचल प्रदेश	1
10.	जम्मू और कश्मीर	1
11.	कर्नाटक	21
12.	केरल	2
13.	मध्य प्रदेश	6
14.	महाराष्ट्र	13
15.	मेघालय	—
16.	मिजोरम	1
17.	नागालैण्ड	1
18.	उड़ीसा	1
19.	पंजाब	2

क्र० सं०	राज्य का नाम	31-03-1994 तक पता लगाए गए अतिक्रमण के मामलों की संख्या
20.	राजस्थान	16
21.	सिक्किम	—
22.	तमिलनाडु	5
23.	त्रिपुरा	1
24.	उत्तर प्रदेश	5
25.	पश्चिम बंगाल	16
	कुल :	117

(ग) अतिक्रमण को रोकने के लिए विभाग ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं :—

(1) बाड़ लगाना और चारदिवारी खड़ी करना।

(2) खाली भूखंडों पर सुस्पष्ट दृष्टि-गोचर साइन बोर्ड लगाना जिन पर यह लिखा है कि यह भूखंड डाक विभाग का है ।

(3) खाली भूखंडों पर जहां तक संभव हो यथाशीघ्र भवनों का निर्माण करते कि धनराशि उपलब्ध हो ।

(4) कर्मचारियों को और अधिक सतर्क रहने तथा अतिक्रमण से किसी भी मामले की रिपोर्ट राजस्व प्राधिकरण/पुलिस को करने के लिए हिदायतें देना ।

विभाग का कोई भी अधिकारी इन भूमि अतिक्रमणों के लिए उत्तरदायी नहीं पाया गया है और इसलिए कोई कार्रवाई करने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

Growth of Revenue of DOT

*340. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRI E. BALANANDAN:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what has been the growth of revenue of the DOT during the laod three years with year-wise break-up; and

(b) what is the projacted revenue growth for the Dapartment for the Eighth Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM) (a) The yearwise break-up of revenue of the DOT during the years 1992-93, 1993-94, 1994-95 (RE) is as under:

(In crores of Rs.)

1992-93	1993-94	1994-95 (RE)
4757	6095	7698

This yields an average rats of growth of 27 per cent

(b) The revenue projected for the years 1995-96 and 1996-97 is as under:

(In crores of Rs.)

1995-96	1996-97
8876	10735

Norms for opening of new Post Offices in Rural Tribal and Hilly, Areas

3498. SHRI PARMESHWAR KUMAR, AGARWALLA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what are the population and distance norms for opening post offices in the rural hily and tribal areas;

(b) what has been the State-wise back-log in the opening of post offices as per those norms as on the 1st April 1992, 1st April, 1993 and 1st April, 1994 Will reasons tberefor.